Jain Engineers Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 9, Edition : 9 Indore, 20 September, 2010 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT: Courage does not always roar, sometimes courage is the quite voice at the end of the day saying.....I will try again tomorrow.

Best wishes on Engineers' day -Sept 15th

पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के उपलक्ष्य में सभी सदस्यों एवं पाठकों से हम क्षमा याचना करते हैं।

मिच्छामी दुक्कडम

जेस फाण्डेशन कार्यकारिणी एवं सदस्य

JES FOUNDATION – NEW BOARD OF DIRECTORS:

During JES Foundation Meeting, following Board of Directors were nominated for the year 2010 – 2012.

Er Santosh Bandi	President
Er Suresh Pandya	Vice President-I
Er Suresh Gangwal	Vice President II
Er Suresh Kasliwal	Treasurer
Er Santosh K Jain (Indorama)	General Secretary
Er Rajendra Singh Jain (ITL)	Secretary
Er Rajendra Kumar Jain (Raneka)	Member
Er Kailash C Vinayka	Member.

During the Board meeting it has been decided that 5th Annual National Convention of JES will be held at Pushpgiri Tirth near Indore on January 22nd and 23rd 2011.

जेस का पंचम वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन

जैस फाउण्डेशन की कार्यकारिणी का पंचम वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन दि. 22 एवं 23.01.2011 को पुष्पगिरि तीर्थ क्षेत्र में (इंदौर के समीप) निश्चित किया गया है, जिसकी मेजबानी उज्जैन चेप्टर को दी गई है। इस समारोह के विस्तृत कार्यक्रम अगले न्यूज लेटर में प्रकाशित किए जाएंगे।

कैसे होगा स्वच्छ इंदौर

दि. 22.08.2010 को जेस इंदौर चेप्टर एवं दिग. जैन सोशल ग्रूप सम्यक दर्शन के तत्वाधान में "कैसे होगा स्वच्छ इंदौर" विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री कृष्ण मुरारी मोघे महापौर, विशिष्ठ अतिथि श्री पी.डी. मूल्ये एवं श्री मुन्नालाल यादव – स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रभारी, इंदौर नगर निगम, उपस्थित थे।

इंजी. श्री एस.के. जैन ने स्लाइड शो के द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर फैली हुई गन्दगी को बताया एवं यह सिद्ध किया कि नगरवासी कचरा पेटी में कचरा न डालकर बाहर ही फैकते हैं जिसे जानवर एवं कचरा बीनने वाले और अधिक फैलाते हैं एवं गन्दगी बढ़ाते हैं। इंजी. एस. के. जैन ने ऐसी दिक्कतों से छुटकारा पाने के लिए महापौर से निवेदन किया कि कचरा पेटी न लगाकर चलित कचरा वाहन में कचरे की थैलियां घरों से ली जावें एवं सीधे ट्रेचिंग ग्राउन्ड पहुंचाई जावे जिससे गन्दगी फैलने में कमी होगी एवं साथ ही कचरा उठाने एवं ट्रेचिंग ग्राउन्ड पहुचाने के खर्चे में भी कमी होगी।

जेस के महामंत्री इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन ने शहरों की सुन्दरता एवं स्वच्छता हेतु निम्न बातों पर विशेष ध्यान देने हेतु सभी विषयों पर विस्तार से बताया जो कि सम्पूर्ण विश्व में मान्य है:-

1.शहरों में वायु की गुणवत्ता 2.हरियाली 3.कचरे का निपटान 4. सड़क, फुटपाथ एवं बगीचों का रख रखाव 5. यातायात व्यवस्था जिसमें लोक परिवहन एवं निजी वाहनों की संख्या 6. सुंदर तरीके से बनाए गए घर, बाजार, दर्शनीय स्थल आदि 7. शहर की सुन्दरता हेतु श्रंगारित चौराहे, व्यवस्थित हॉर्डिंग्स, दुकानों पर लगने वाले साईन बोर्ड की साइज, अन्डर ग्राउन्ड केबल द्वारा बिजली सप्लाय आदि एवं भवेशी रहित सड़कें।

महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे ने शहर में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की एवं जेस एवं DJSG सम्यक दर्शन द्वारा आयोजित परिचर्चा की सराहना की एवं भविष्य में ऐसे जागरुकता अभियान जारी रखने के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन जेस इंदौर चेप्टर के सचिव इंजी. निकेतन सेठी ने किया एवं धन्यवाद प्रस्ताव इंजी. ए. के. जैन ने किया। परिचर्चा के बाद भोजन का आयोजन रखा गया।

This edition of News letter sponsored by

Shri Binod Chhajer, Director

ARCVAC Forgecast Ltd.

2B, Shyamkunj , 2nd Floor, Block A/B 12C , Lord Sinha Road Kolkata 700 071

Tel. 033 2659 8000, Fax. 033 2659 8002, E mail- binod.c@smithy.in

" जेस कोटा चेप्टर द्वारा टी.एम.टी. सरिये की उपयोगिता पर 'टेक्नीकल सेमीनार "

जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर द्वारा दिनांक 05 सितम्बर 2010 को भवन निर्माण में टी.एम.टी. सरिये की उपयोगिता विषय पर एक 'टेक्नीकल सेमीनार" का आयोजन एसएसआई के परुषार्थ भवन में किया गया। सेमिनार के प्रायोजक बजाज टीएमटी सरिया के उत्पादक प्रेम जैन बजाज भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान तकनीकी विश्व विद्यालय कोटा के निदेशक डॉ. ओ.पी. छंगाणी थे तथा अध्यक्षता पी.डब्लू.डी. कोटा के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता आर.के. गुप्ता ने की। अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में सुपर थर्मल परियोजना, कोटा के मुख्य अभियन्ता (निर्माण) श्री टी.के. बरडिया, पी.डब्लू.डी. बून्दी के अधीक्षण अभियन्ता श्री पी.के. जैन, यु.आई.टी. कोटा के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता श्री वी.के गोलछा मंचासीन थे। प्रायोजक श्री प्रेमचन्द बजाज भी मंचासीन थे।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर के अध्यक्ष श्री अजय बाकलीवाल ने अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये स्वागत भाषण दिया एवं रोटी, कपड़ा, मकान की परिकल्पना के अंतर्गत भवन की महत्वपूर्ण आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए आरसीसी विषय की परिभाषा बतायी। तथा इस तकनीक के माध्यम से वर्तमान में बनाये जाने वाले बहुमंजिला भवनों, बड़े हॉलों के निर्माण में होने वाली सुविधा का भी जिक्र किया।

सेमिनार को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. छंगाणी ने कहा कि भवन निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाले सरिये की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। उन्होने आज के कार्यक्रम में महिलाओं की अच्छी उपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि महिलाओं को भी मकान एवं विशेष रूप से सरिये की गुणवत्ता के बारे में जानना आवश्यक है क्योंकि उनका ही अधिकांश समय घर के अन्दर व्यतीत होता है। उन्होने कहा कि विश्व में यह टीएमटी तकनीक 1970 के दशक में ही प्रारम्भ हो चुकी थी। परन्तु हमारे देश में यह तकनीक कुछ वर्षो में ही आई है। उच्च गुणवत्ता पूर्ण सरिया भवन को विशेष मजबूती प्रदान करता है। उन्होने इन्डस्ट्री लगाने वाले बजाज टीएमटी की भी सराहना की एवं अपेक्षा की कि वे आने वाली नई-नई तकनीकों का भी समय-समय पर समावेश करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता थर्मल परियोजना के टी.के. बरड़िया ने कहा कि आर.सी.सी. तकनीक एक अकस्मात घटी घटना का परिणाम है। जो सीमेन्ट गिट्टी के ब्लॉक में फंसी हुई एक लोहे की रॉड को निकालने में लगी ताकत के फलस्वरूप सामने आई है। श्री बरड़िया ने बताया कि लोहे की खपत विश्व में प्रति व्यक्ति लगभग 100 से 250 किलो तक है। जबकि भारत में यह खपत प्रति व्यक्ति 30 किलो है। जिसे 100 किलो प्रति व्यक्ति करना प्रस्तावित है। सेमीनार को श्री आर.के. गुप्ता, श्री पी.के. जैन एवं श्री वी.के. गोलछा ने भी सम्बोधित किया। सेमीनार का शुभारम्भ भगवान आदिनाथ के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

सेमिनार में कोटा शहर के बिल्डर्स, इन्जीनियर्स, कॉन्ट्रेक्टर, सरिये का व्यवसाय करने वाले एवं अन्य कई विशिष्ठ लोग भी उपस्थित थें। सेमिनार में जैन इन्जीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर के सदस्यों ने सपत्नी बड़ी संख्या में भाग लिया। बजाज टी.एम.टी सरिया के निर्माता श्री प्रेमचन्द बजाज ने अतिथियों, सभी उपस्थित व्यक्तियों एवं जैन इंजीनियर्स सोसायटी के सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए सरिये की उपयोगिता एवं बजाज टी.एम.टी सरिये की गुणवत्ता बताई एवं अतिथियों को प्रतीक-चिन्ह भेंट किये।

कार्यक्रम के अन्त में जैस कोटा के सचिव आर.के. जैन ने अतिथियों एवं उपस्थित समुदायों का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया एवं प्रायोजक श्री प्रेम जैन बजाज को सेमिनार के प्रायोजन के लिये धन्यवाद देते हुये सरियों के वितरक एवं उपयोगकर्ताओं से उच्च कोटि के इस बजाज टी.एम.टी. सरिये को अधिक से अधिक आगे लाने हेतु अनुरोध किया। कार्यक्रम के पश्चात प्रेम जैन इस्पात उद्योग द्वारा रखे गये

▯ इंजी. राजेन्द्र कुमार जैन
(सचिव)

The Salt...

Once an unhappy young man came to an old master and told he was very sad and asked for a solution. The old Master instructed the unhappy young man to put a handful of salt in a glass of water and then to drink it. "How does it taste?" the Master asked. "Awful," spat the apprentice.

The Master chuckled and then asked the young man to take another handful of salt and put it in the lake. The two walked in silence to the nearby lake and when the apprentice swirled his handful of salt into the lake, the old man said, "Now drink from the lake."

As the water dripped down the young man's chin, the Master asked, "How does it taste?" "Good!" remarked the apprentice. "Do you taste the salt?" asked the Master.

"No," said the young man.

The Master sat beside this troubled young man, took his hands, and said, "The pain of life is pure salt; no more, no less. The amount of pain in life remains the same, exactly the same. But the amount we taste the 'pain' depends on the container we put it into. So when you are in pain, the only thing you can do is to enlarge your sense of things... Stop being a glass. Become a lake!"

"Life has so much in store for us if only we believe!"

▯ Manoj Patni,JES
Aurangabad

BLOOD DONERS

Now it has become easier to get the blood we need.
All you have to do is just type "BLOOD <Needed Blood Group> and send SMS to 96000 97000" (in India)
Example: BLOOD B+
A Blood Donor will contact you over phone within minutes!!
Pass this message to all. It certainly would save many lives.

▯ GAJENDRA JAIN

इंजी. डॉ. प्रकाश चन्द्र बड़जात्या का अभिनन्दन

जेस पूणे चेप्टर अध्यक्ष इंजी. डॉ. प्रकाश चन्द्र बड़जात्या का उनके सामाजिक, राजकीय एवं शैक्षिणक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने पर पूणे महापौर श्री मोहन सिंह राजपाल ने स्वतंत्रता दिवस के कार्यकम के दौरान अभिनन्दन किया। जेस परिवार की और से इंजी. डॉ. प्रकाश चन्द्र बड़जात्या को बधाई।

मार्गदर्शन – 2010 में छाए रहे सफलता के सूत्र

जेस उज्जैन द्वारा परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के ससंघ पावन प्रेरक सानिध्य में मार्गदर्शन 2010 का गरीमामय आयोजन आने वाली पीढ़ी को सफलता के अनेक सूत्र दे गया । दि. जैन पंचायती मंदिर के चतुर्मास सभाग्रह में आयोजित बहुप्रतिक्षित कार्यक्रम में राष्ट्र के श्रेष्ठ केरियर काउंसलर प्रशासक शिक्षाविद, इंजीनियर प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि व नगर के विघार्थी अपने अभिभावकों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित थे । जिन्होंनें केरियर व चरित्र निर्माण के सूत्र को जीवन में समाहित करने का संकल्प लिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ परम पूज्य आचार्य संघ के श्रीचरणों में विनयांजलि प्रस्तुत कर गणाचार्य विरागसागरजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। जो राष्ट्र के प्रसिद्ध कैरियर काउंसलर श्री जयंतीलाल भंडारी, उज्जैन संभाग के आईजी श्री पवन जैन, शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रचार्य श्री डॉ. एस. के. जैन व आकाश इंस्टिट्युट दिल्ली के श्री एसपी पांडे, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश कासलीवाल के साथ जैन इंजीनियर्स सोसायटी के पदाधिकारियों ने किया । मंगलाचरण कुमारी विनती, प्राची, सौम्या व अदिती ने किया ।

डॉ. जयकुमार जलज की प्रेरक कविता 'इतने उपर उठो कि जितना आसमान है ' से इंजी. अरूण जैन ने प्रेरणा का सुत्रपात किया ।

अतिथि सत्कार, उनका परिचय व जैन इंजीनियर्स सोसायटी के परिचय के बाद इंजी. दीपक जैन एक्सल ने कैरियर निर्माण हेतु प्रेरक व लाभकारी प्रस्तुति प्रोजेक्टर के माध्यम से दी । डॉ. एस. के. जैन ने अपने उद्धोधन में बच्चों व अभिभावकों से कोचिंग क्लास की अंधी दौड को छोडकर बच्चों की इच्छा के अनुरूप सतत प्रयास कर लक्ष्य चुनने का सुक्षाव दिया । समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक श्री पवन जैन ने उत्तर प्रदेश के एक साधारण गांव में पढाई कर हिंदी माध्यम से देश में सबसे पहले सिविल सर्विस परीक्षा में चयनित होने का अपना प्रेरक अनुभव सुनाते हुए बच्चों से सदाचार, सतत प्रयास व समर्पित होकर पढाई करने का आव्हान किया। उन्होने बताया कि संख्या में बहुत कम होते हुए भी अपनी जरूरत से जुड़े होने के कारण आज जैन समाज ने हर क्षेत्र में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्व प्रसिद्ध कैरियर काउंसलर श्री जयंतीलाल भंडारी ने बताया कि विश्व की आर्थिक मंदी समाप्त हो गई है, भारत में ही रोजगार के श्रेष्ठ साधन होने के कारण ब्रेन ड्रेन समाप्त होकर ब्रेन रेन हो रहा है। आज की पीढ़ी को लगभग 150 विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की असीम संभावनाए है जो पहले नही थी। भीड़ का अनुसरण कर किसी भी संस्थान से एमबीए, इंजीनियरिंग या अन्य कोर्स करने की अपेक्षा देश के श्रेष्ठ संस्थानों में अध्ययन करने के लिए जोर दिया । इंटरेस्ट, एबीलिटी व केपेसिटी होने पर लक्ष्य पाना आसान होता है। उन्होने कहा कि विश्व के अनेक सर्वेक्षणों में यह तथ्य स्पष्ट आ रहा है कि 2050 में भारत विश्व की तीसरी विकसित शक्ति बने ; उसके बाद भारत ही विश्व का सिरमौर होगा।

आकाश इंस्टीट्युट नई दिल्ली के श्री एसपी पांडे ने कोचिंग क्लासेस मे लाखों रूपए खर्च कर असफल होने की जगह अध्ययन के अन्य सैकड़ो विकल्प अपनाने पर जोर दिया । उन्होने बताया किस तरह मात्र 5 से 10 प्रतिशत व्यय करके ऑन लाइन प्रशिक्षण पाकर सफलता पाई जा सकती है।

परम पूज्य आचार्य श्री ने अपनी पीयुष वाणी निसृत करते हुए विद्यार्थियों को उत्साह शक्ति कभी भी कम न करने की प्रेरणा दी । उन्होने कहा मार्गदर्शन से प्रेरणा श्रेष्ठ है। सीखना आपके अपने उद्देश्य व ललक पर निर्भर करता है। अतः स्वयं अच्छे भविष्य के निर्माण का संकल्प लें। कम सोचे अधिक करें और भोजन शुद्ध होगा तो भाव भी शुद्ध होंगे। ग्रंथ कम रखें, उनका अध्ययन नियमित व सुचारू रूप से करें। गुरू व स्वयं पर विश्वास करें, पहले रूचिकर पढ़े फिर जटिल अध्याय की ओर बढ़े। सफलता के लिए समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। सुबह सूर्य को जगाने वाला ही आगे बढता है। तनाव मुक्त रहे। हीन भावना से अपने को दूर रखे। यह मानसिक तनाव, बीमारी व भटकाव लाएगा। सतत अभ्यास करें, शांत होकर मौन धारण करें, संयम के साथ रहने से विकास शीघ्र होगा। जैन दर्शन साहित्य एवं पुरातत्व विश्व की गौरवशाली व समृद्ध विरासत है। अत्यंत मोह माया में भटकने से लक्ष्य प्राप्ति नही हो सकती । ज्ञानीर्थी को स्वाध्यायी होना आवश्यक हैं। आचार्य श्री का उद्धोधन नई पीढ़ी को भाव विभोर कर गया।

अतिथियों को प्रतिक चिन्ह श्री प्रकाश कासलीवाल, नरेन्द्र बडजात्या, अनिल गंगवाल व प्रदीप झांझरी ने दिए। आभार इंजी. शैलेंद्र शाह ने व संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन इंजीनियर अरूण जैन ने किया ।

संपूर्ण कार्यक्रम को सफल व प्रेरक बनाने में इंजी. सत्येन्द्र जैन, इंजी. मनीष जैन, इंजी.दीपक जैन, इंजी. शैलेंद्र जैन, इंजी. प्रविण जैन, इंजी. आरसी जैन, इंजी. अतुल जैन, इंजी. अरूण जैन, इंजी. देवेंद्र जैन, इंजी. जेके जैन के समर्पित प्रयासों की सराहना की गई।

 इंजी. सत्येंद्र जैन
अध्यक्ष

कौन महान है ?

मैने पहाड़ से कहा, तुम बहुत उँचे हो।
उसने कहा, तुम मुझसे भी ज्यादा उँचे हो।।

मैने सागर से कहा कि तुम बहुत गहरे हो।
उसने कहा, तुम मुझसे भी ज्यादा गहरे हो।।

मैंने सूरज से कहा कि तुम बहुत तेजस्वी हो।
उसने कहा, तुम मुझसे भी ज्यादा तेजस्वी हो।।

मैंने धरती से कहा, तुममे बहुत सहनशीलता है।
धरती ने कहा, तुममे मुझसे भी ज्यादा सहनशीलता है।।

मैंने मनुष्य से कहा कि, तुम बहुत महान हो।
उसने कहा ..... तुम ठीक कहते हो।

संकलनः
 शरद सेठी, भोपाल चेप्टर

Introduction of Er. Dr.Prakash Badjatya, President JES Poona Chapter

Director	– MIT Lighting Research Academy / MIT School of Energy & Lighting, Pune
Ex.Scientist-E (Dy. Director)	– Central Institute of Road Transport, Pune
Lead Assessor	– National Accreditation Board for Testing & Calibration Laboratories (NABL),Ministry of Science & Technology, Govt. of India
Fellow(L) & Chairman	– Indian Society of Lighting Engineers, Mumbai State
Founder Member & Activist	– Express Citizen Forum,Pune
Founder President & Advisor	– Rohan Nilay Jyeshtha Nagarik Sangh, Aundh, Pune
Founder Secretary	– Defence Scientific Employees' Association,Ahmednagar
Ex. Jt.Secretary	– VRDE Civilian Employees' Union, Ahmednagar
Founder President	– Shri Arihant Dig. Jain Trust, Chinchwad, Pune
Founder President	– Shri Jai-Jinendra Dig. Jain Mandal, Sangvi, Pune
President	– Shri Khandelwal Dig. Jain Samaj, Pune-Pimpri-Chinchwad
Vice – President	– Sakal Jain Samaj, Pune
Ex.President	– Dig. Jain Mahasamiti, New Delhi – Maharashtra State
Founder Secretary	– Jain Sahyog, Pune
Founder Secretary	– Shri Khandelwal Dig. Jain Samaj, Pune-Pimpri-Chinchwad
Member	– SLE Light NewsLetter Editorial Committee

Consultancy Services

- *ISO 9001* - Quality Management System
- *NABL* – Laboratory Management System
- *ISO 14001* – Environment Management System
- *System Improvement*

Training Programs / Guest Faculty

- System Improvement (5 – S, Kaizen, QC, etc.)
- Time Management
- CMVR & Road Safety
- Measurement of Effectiveness
- Internal Audit – Effectiveness
- Testing & Performance Evaluation of Components / Lamps & Luminaires

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .

All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail.

You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation at or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. R.K. Jain (President (M) 98260-56128 Er. Rajendra Singh Jain (General Secretary), (M) 98260-75098
INDORE CHAPTER	-	Er. N.K. Jain (President). (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary) (M) 09425030804
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 9425020429
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036058, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Satyendra Jain, (President) (M) 09425092094 Er. Praveen Jain (Hon. Secretary)
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. Anil Shah (M) 98291-85226
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Kamal Pahade- (M) 0997030061
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER,JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMADNAGAR CHAPTER, NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक / प्रेषक / संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 7 डायमंड कॉलोनी, अग्रवाल स्टोर्स के पीछे, एम. जी. रोड़, इन्दौर–452 001 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी / डिवीजन / 1130 / 2009–11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society, 144, Kanchan Bag , Indore - 452 001

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain